लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

नमूना रिपोर्ट · काल्पनिक व्यक्ति

# आरव शर्मा का जीवन भविष्यफल: 25 वर्ष

*2026 से 2051: गुरु महादशा का समापन, बलवान शनि के उन्नीस वर्ष, और आपके दोनों धन भावों के स्वामी बुध का आरंभ।*

| जन्म | स्थान | लग्न | राशि · नक्षत्र |
|---|---|---|---|
| 15 अगस्त 1991, 06:40 | Jaipur, Rajasthan, India | सिंह | तुला · चित्रा 3 |

इस रिपोर्ट में

01 अपनी दशाएँ कैसे पढ़ें
02 जिस अध्याय में आप हैं
03 अगली महादशा, अंतर्दशा दर अंतर्दशा
04 उसके बाद वाली
05 शिखर और शांत वर्ष
06 पारंपरिक उपाय
07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

# 01 अपनी दशाएँ कैसे पढ़ें

आरव, विंशोत्तरी दशा जीवन को अध्यायों में बाँटती है, जिनमें से हर एक पर एक ग्रह का शासन होता है। क्रम जन्म के समय आपके चंद्रमा के नक्षत्र, चित्रा, से शुरू होता है, जिसके स्वामी मंगल हैं, इसलिए आपका जीवन मंगल महादशा में शुरू हुआ।

## अध्याय का स्वर क्या तय करता है

हर महादशा अंतर्दशाओं में बँटी होती है, जिन पर बारी-बारी से हर ग्रह का शासन होता है। कोई काल क्या लाता है, यह आपकी अपनी कुंडली की तीन बातों पर निर्भर करता है: उसके स्वामी किन भावों के स्वामी हैं, वे कहाँ बैठे हैं, और कितने बलवान हैं। एक ही ग्रह एक कुंडली में वरदान और दूसरी में सबक हो सकता है।

नीचे सब कुछ इसी तरह, आपकी कुंडली से पढ़ा गया है। ये प्रवृत्तियाँ और विषय हैं, कभी निश्चितता नहीं: दशाएँ किसी काल के मौसम का वर्णन करती हैं, और उससे कैसे गुज़रना है, यह आप ही चुनते हैं।

# 02 जिस अध्याय में आप हैं

## गुरु महादशा, 2011 से 2027

आप 26 अगस्त 2011 से 26 अगस्त 2027 तक गुरु महादशा में हैं। आपके गुरु बुद्धि और पुण्य के पाँचवें भाव और परिवर्तन के आठवें भाव के स्वामी हैं, और वे आपके राजयोग और धन योग के हिस्से के रूप में आपके लग्न में बैठे हैं। परंपरा में यह सीखने, सलाह, विकास और आपके योगों के पहली बार प्रकट होने का अध्याय रहा है।

अंतिम अंतर्दशा राहु अंतर्दशा है, 1 अप्रैल 2025 से 26 अगस्त 2027 तक। राहु आपके पाँचवें भाव में बैठे हैं, इसलिए ये महीने बेचैनी, नए विचार और कुछ अलग आज़माने की इच्छा लाते हैं। इन्हें अपरिवर्तनीय दाँवों का नहीं, आने वाले अध्याय के लिए शोध का समय मानें।

> ✦ अभी: गुरु महादशा की अंतिम अंतर्दशा, राहु, 26 अगस्त 2027 तक।

# 03 अगली महादशा, अंतर्दशा दर अंतर्दशा

26 अगस्त 2027 से 26 अगस्त 2046 तक आप शनि महादशा में हैं। आपके शनि बलवान हैं, अपनी राशि मकर में आपके छठे भाव में, हर्ष योग बनाते हुए, और वे आपके छठे और सातवें भाव के स्वामी हैं। उन्नीस वर्ष का स्थिर निर्माण, ज़िम्मेदारी और लगन।

## 2027 से 2033

शनि–शनि, अगस्त 2027 से अगस्त 2030: नींव। अभी आप जिस भूमिका, बिज़नेस, साझेदारी या दिनचर्या के प्रति लगन से जुड़े होते हैं, वह आपको कई वर्षों तक आगे ले जा सकती है। काम और विवाह दोनों के विषय आगे आते हैं, क्योंकि शनि आपके छठे और सातवें भाव के स्वामी हैं।

शनि–बुध, अगस्त 2030 से मई 2033: बुध आपके बचत और लाभ के दूसरे और ग्यारहवें भाव के स्वामी हैं और आपके लग्न में बैठे हैं। परंपरा में यह दशक में आय, कौशल और धन बनाने का सबसे प्रबल समय है।

## 2033 से 2038

शनि–केतु, मई 2033 से जून 2034: एक शांत, भीतर की ओर मुड़ा वर्ष। केतु आपके ग्यारहवें भाव में हैं, इसलिए यह विस्तार से अधिक विशेषज्ञ काम और छोटे, भरोसेमंद दायरे के पक्ष में है।

शनि–शुक्र, जून 2034 से अगस्त 2037: शुक्र करियर के आपके दसवें भाव और तीसरे भाव के स्वामी हैं, और आपके लग्न में बैठे हैं। परंपरा में पहचान, प्रतिष्ठा, सुख और संबंधों का प्रबल काल।

शनि–सूर्य, अगस्त 2037 से जुलाई 2038: आपके लग्नेश, बारहवें भाव में बैठे। ध्यान सेहत की दिनचर्या, विश्राम, निजी काम और संभवतः यात्रा या विदेश में समय की ओर मुड़ता है।

> ✦ उभरकर आने वाली अंतर्दशाएँ: धन के लिए बुध (2030–2033) और करियर व पहचान के लिए शुक्र (2034–2037)।

## 2038 से 2046

शनि–चंद्र, जुलाई 2038 से फ़रवरी 2040: चंद्रमा आपके बारहवें भाव के स्वामी हैं और तीसरे भाव में बैठे हैं। अक्टूबर 2038 में आपकी साढ़े साती भी शुरू होती है, इसलिए यह विश्राम की रक्षा करने, ख़र्च की योजना बनाए रखने और अपने निकट लोगों पर भरोसा करने का काल है।

शनि–मंगल, फ़रवरी 2040 से अप्रैल 2041: आपके योगकारक, चौथे और नौवें के स्वामी, आपके लग्न में। पहल लौटती है, और घर, संपत्ति और भाग्य आगे आते हैं।

शनि–राहु, अप्रैल 2041 से फ़रवरी 2044: आपके पाँचवें भाव में बैठे राहु नई दिशाएँ, अपरंपरागत अवसर और संभवतः विदेशी संबंध लाते हैं, अब भी साढ़े साती के भीतर, इसलिए अपनी गति सँभालें।

शनि–गुरु, फ़रवरी 2044 से अगस्त 2046: आपके पंचमेश लौटते हैं, और महादशा ज्ञान, सलाह, परिवार और शनि के लंबे अध्याय के फलों के साथ समाप्त होती है।

# 04 उसके बाद वाली

## बुध महादशा, 2046 से 2063

26 अगस्त 2046 से आप सत्रह वर्ष के लिए बुध महादशा में प्रवेश करते हैं। बुध आपके दोनों धन भावों, दूसरे और ग्यारहवें, के स्वामी हैं और आपके धन योग के हिस्से के रूप में आपके लग्न में बैठे हैं। परंपरा में यह कमाई, संवाद, सलाह देने और अपने बनाए का आनंद लेने का लंबा काल है। आपके बुध वक्री और अस्त हैं, जो संकेत देता है कि इस अध्याय के लिए शून्य से शुरू करने के बजाय अपनी विशेषज्ञता की समीक्षा, शिक्षण और उसे निखारना अधिक उपयुक्त है।

# 05 शिखर और शांत वर्ष

## जहाँ कुंडली चमकती है

अगले पच्चीस वर्षों के सबसे प्रबल हिस्से हैं धन के लिए शनि–बुध (2030–2033), करियर और प्रतिष्ठा के लिए शनि–शुक्र (2034–2037), पहल के लिए शनि–मंगल (2040–2041), और 2046 में बुध महादशा का आरंभ। इन सबसे पहले, 2026 और 2027 में आपके लग्न पर गुरु का गोचर अपनी अलग तरक्की जोड़ता है।

धैर्य माँगने वाले काल हैं अगस्त 2029 से मई 2032 तक की ढैया, जो शनि–शनि और शनि–बुध से मेल खाती है, और अक्टूबर 2038 से दिसंबर 2046 तक आपकी साढ़े साती, जो शनि की बाद की अंतर्दशाओं में पड़ती है। क्योंकि आपके शनि बलवान हैं, परंपरा इन्हें कठोर नहीं, माँग भरा मानती है: अधिक ज़िम्मेदारी, और टिकने वाले परिणाम।

> ✦ शिखर: 2030–2033, 2034–2037, 2040–2041 और 2046 से। धैर्य: 2029–2032 और 2038–2046।

# 06 पारंपरिक उपाय

## शनि के वर्षों के लिए

क्योंकि अगले पच्चीस में से उन्नीस वर्षों पर शनि का शासन है, उनके अभ्यास सबसे अधिक मायने रखते हैं: शनिवार को तिल के तेल का दीपक, शनि स्तोत्र या हनुमान चालीसा, बड़ों और हाथों से कड़ी मेहनत करने वालों की सेवा, और सबसे ऊपर अपना वचन निभाना और स्थिर दिनचर्या।

हर अंतर्दशा के लिए परंपरा उसके स्वामी का अभ्यास उसके अपने दिन जोड़ती है: बुध के लिए बुधवार और विष्णु सहस्रनाम, शुक्र के लिए शुक्रवार और सौंदर्य व उदारता, मंगल के लिए मंगलवार और हनुमान चालीसा, गुरु के लिए गुरुवार और शिक्षकों का सम्मान।

# 07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

हर दशा तिथि की गणना iAstroGuru Engine ने आपके चंद्रमा की स्थिति से की है, 365.25 दिन के वर्ष वाली विंशोत्तरी पद्धति, लाहिड़ी अयनांश और संपूर्ण राशि भाव के साथ।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है, घटनाओं की भविष्यवाणी का वैज्ञानिक रूप से स्थापित तरीका नहीं, और यहाँ कुछ भी चिकित्सीय, कानूनी या पैसे संबंधी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

---

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।

**Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)**
Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:35 IST
Document ID IAG-2YZX-NKWJ-4QXZ